>

Title: Need to check the exorbitant price of medicines.

श्रीमती सुशीला सरोज (मोहनलालगंज): नेशनल ड्रग प्राइजिंग प्राधिकरण के अनुसार तकरीबन डेढ़ सौ दवा कंपनियों ने अपने 786 दवा फार्मूलों को अधिक दामों में बाजार में बेचकर देश की जनता से तकरीबन 2 हजार 3 सौ 28 करोड़ रूपये अधिक वसूले हैं।

देश में दवा कंपनियों पर नियंत्रण के लिए सरकार हजारों करोड़ रूपया खर्च कर विभिन्न संस्थानों का संचालन करती है पर यदि जिम्मेदार संस्थान ही अपने कार्यों में लापरवाही बरतने लगे तो फिर देश के बेबस और अस्वस्थ लोग क्या करेंगे।

वर्षों से मंत्रियों के समूह के समक्ष औषधि मूल्य निर्धारण का मामला लंबित है। देश की जनता इस प्रचंड महंगाई के दौर में कंपनियों की मूल्य निर्धारण में मनमानी की वजह से जेबें खाली करने के लिए बाध्य है। बीमार आदमी जीवन और मृत्यु के बीच दवा कंपनियों के बीच पिस रहा है।

मेरी मांग है कि सरकार इलाज पर कंपनियों के मनमाफिक मुनाफा कमाने की प्रवृत्ति पर अविलम्ब रोक लगाए तथा दवाओं पर अधिक मूल्य वसूलने वाली कंपनियों पर सख्त कार्यवाही करे।